



Literacy for a Billion

Movie: Qayamat Se Qayamat Tak

Year: 1988

Song: Gazab Ka Hai Din

Lyricist: Majrooh Sultanpuri

ग़ज़ब का है दिन
सोचो ज़रा
ये दीवानापन
देखो ज़रा
तुम हो अकेले
हम भी अकेले
मज़ा आ रहा है
क़सम से
क़सम से
ग़ज़ब का है दिन
सोचो ज़रा
ये दीवानापन
देखो ज़रा
तुम हो अकेले
हम भी अकेले
मज़ा आ रहा है
क़सम से
क़सम से
देख लो हमको करीब से
आज हम मिले हैं नसीब से
ओ ...
देख लो हमको करीब से
आज हम मिले हैं नसीब से
ये पल फिर कहाँ
और ये मंज़िल फिर कहाँ

हो ग़ज़ब का है दिन
सोचो ज़रा
ये दीवानापन
देखो ज़रा
तुम हो अकेले
हम भी अकेले
मज़ा आ रहा है
क़सम से
क़सम से
क्या कहूँ मेरा जो हाल है
रात दिन तुम्हारा ख़याल है
हो ...
क्या कहूँ मेरा जो हाल है
रात दिन तुम्हारा ख़याल है
फिर भी जानेजाँ मैं कहाँ
और तुम कहाँ
हो ग़ज़ब का है दिन
सोचो ज़रा
ये दीवानापन
देखो ज़रा
तुम हो अकेले
हम भी अकेले
मज़ा आ रहा है
क़सम से
क़सम से

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.